



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (iii)
PART II—Section 3—Sub-section (iii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 42]
No. 42]

नई दिल्ली, मंगलवार, मई 6, 2008/वैशाख 16, 1930
NEW DELHI, TUESDAY, MAY 6, 2008/VAISAKHA 16, 1930

भारत निर्वाचन आयोग

अधिसूचना

नई दिल्ली, 6 मई, 2008

आ.अ. 46(अ).—निर्वाचन प्रतीक (आरक्षण और आबंटन) आदेश, 1968 के पैरा 17 के अन्तर्गत, भारत निर्वाचन आयोग अपनी समय-समय पर संशोधित अधिसूचना संख्या 56/2007/न्या. अनु.-III तारीख 6 जनवरी, 2007 में एतद्वारा निम्नलिखित अगला संशोधन करता है, अर्थात् :—

अधिसूचना से संलग्न सारणी-IV (स्वतंत्र प्रतीकों की सूची) में “उदीयमान सूर्य” तथा “छाता” प्रविस्त्रियाँ केवल कर्नाटक राज्य के विधान सभा क्षेत्र के लिए चालू सामान्य निर्वाचन के उद्देश्य से स्वतंत्र प्रतीकों के रूप में जोड़े जाएंगे।

कर्नाटक राज्य के लिए स्वतंत्र प्रतीकों की सूची में “उदीयमान सूर्य” तथा “छाता” प्रतीकों का समावेश तारीख, 16 अप्रैल, 2008 से यथा विनिर्दिष्ट समझा जाएगा और प्रभावी होगा तथा इस राज्य में केवल चालू सामान्य निर्वाचन की समाप्ति तक ही लागू रहेगा।

[सं. 56/2008/न्यायिक अनुभाग-III]

आदेश से,

के. एफ. विलफ्रेड, सचिव

ELECTION COMMISSION OF INDIA

NOTIFICATION

New Delhi, the 6th May, 2008

O.N. 46(E).—Under paragraph 17 of the Election Symbols (Reservation and Allotment) Order, 1968, the Election Commission of India hereby makes the following further amendment to its Notification No. 56/2007/J.S.III, 6th January, 2007, as amended from time to time, namely :—

In Table IV (List of free symbols) appended to the said Notification, the entries “Rising Sun” and “Umbrella” shall be added as free symbols for the State of Karnataka only for the purpose of the current general election to the Legislative Assembly of Karnataka.

The inclusion of the symbols “Rising Sun” and “Umbrella” in the list of free symbols for Karnataka shall be deemed to have been so specified with effect from 16th April, 2008, and shall be in force only till the completion of the current general election in the State of Karnataka.

[No. 56/2008/J.S.III]

By Order,

K. F. WILFRED, Secy.